मिशन शिक्षण संवाद

प्रेरणा लक्ष्य बोध कार्य

कक्षा - 5

विषय - हिन्दी (कलरव)

प्रकरण - पाठ-9- तीन सवाल

कार्यपत्रक निर्माण-

प्रतिभा यादव (स॰अ॰)

प्राथमिक विद्यालय चौरादेव,

ब्लॉक-पुवॉरका,

जिला- सहारनपुर।

प्राथमिक विद्यालय चौरादेव
ब्लॉक-पुवॉरका,जिला-सहारनपुर

कक्षा-5 प्रेरणा लक्ष्य बोध कार्य विषय- हिन्दी

प्रकरण- पाठ-9- तीन सवाल (कार्यपत्रक 1)

एक राजा था। वह बहुत समझदार और धुन का पक्का था। वह जो सोचता उसका हल ढूँढकर ही चैन लेता। किसी भी काम मे अपनी पराजय उसे बहुत अखरती थी। वह सोचता, क्या उपाय किया जाये, जिससे वह कभी न हारे।

एक दिन उसके मन मे तीन सवाल उठे। पहला सवाल था- किसी कार्य को करने का सही समय कौन सा होता है? दूसरा सवाल था- किसकी बात सुननी चाहिए और किसे टालना चाहिए? और सबसे बड़ा तीसरा सवाल था- सबसे आवश्यक कार्य कौन सा है।

● ऊपर दिये गए अनुच्छेद को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नो के उत्तर दो-

1) राजा कैसा था?

2) किसी भी काम मे उसकी पराजय उसे कैसी लगती थी?

3) राजा क्या सोचता था?

4) राजा के मन मे तीन सवाल क्या उठे?

कार्यपत्रक निर्माण- प्रतिभा यादव (स·अ·),प्राथमिक विद्यालय चौरादेव

प्राथमिक विद्यालय चौरादेव
ब्लॉक-पुवॉरका,जिला-सहारनपुर

कक्षा-5 प्रेरणा लक्ष्य बोध कार्य विषय- हिन्दी

प्रकरण- पाठ-9- तीन सवाल (कार्यपत्रक 2)

अपने इन तीन सवालों का उत्तर पाने के लिए राजा ने अपने राज्य में घोषणा करवाई - "जो भी इन तीन सवालों के उत्तर देगा उसे यथेष्ठ पुरस्कार दिया जाएगा।" यह घोषणा होते ही दूर-दूर से लोग राजा के पास आने लगे।

पहले प्रश्न के उत्तर मे लोगों ने कहा- किसी कार्य को शुरु करने से पहले सोच लेना चाहिए कि कार्य कितने दिन या महीने में पूरा होगा, फिर कार्य करने का समय और तरीका निश्चित करना चाहिए। ठीक समय पर कार्य पूरा करने का यही सही तरीका है।

कुछ और लोगों का मानना था कि कार्य का समय निश्चित करना कठिन है, लेकिन बेकार के कार्यों में समय नष्ट न करें, जो भी आस-पास हो रहा हो उस काम में लग जाएँ। कुछ लोगों ने बताया- राजा अकेले प्रत्येक कार्य शुरू करने का समय कैसे निश्चित कर सकता है? राजा के पास सलाहकार होने चाहिए। उनकी सहायता से राजा निश्चित कर सकता है कि कार्य कब और कैसे किया जाए।

● ऊपर दिये गए अनुच्छेद को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नो के उत्तर दो-

1) तीनों सवालों का उत्तर पाने के लिए,राजा ने क्या किया?
2) राजा ने क्या घोषणा करवाई?
3) घोषणा होते ही राजा के पास लोग कहाँ-कहाँ से आने लगे?
4) पहले प्रश्न के उत्तर में कुछ लोगों ने क्या कहा?
5) कुछ और लोगों का क्या मानना था?

कार्यपत्रक निर्माण- प्रतिभा यादव (स॰अ॰),प्राथमिक विद्यालय चौरादेव

प्राथमिक विद्यालय चौरादेव
ब्लॉक-पुवॉरका,जिला-सहारनपुर

कक्षा-5 प्रेरणा लक्ष्य बोध कार्य विषय- हिन्दी

प्रकरण- पाठ-9- तीन सवाल (कार्यपत्रक 3)

लेकिन कुछ और लोग भी थे। उनका कहना था- हर कार्य का समय पहले से सोचना कठिन है। आलस्य में समय न बिताएँ। जो भी काम सामने हो उसे पूरा कर लें। किसी ने कहा कि कभी-कभी सलाह लेने का समय ही नही होता,जबकि जवाब तुरंत चाहिए इसलिये उत्तर केवल जादूगर ही दे सकते हैं। बस, वे जादू से सब कुछ जान कर राजा को बता देंगे।

इसी तरह दूसरे सवाल के भी कई जवाब थे। कुछ लोगों का कहना था- राजा के लिये सलाहकार बहुत जरुरी होते हैं। कुछ पुजारी और वैद्य को जरुरी बता रहे थे। किसी ने राजा के लिए सबसे अधिक आवश्यक सैनिकों को माना।

तीसरे प्रश्न के भी कई उत्तर थे। कुछ लोगों ने ज्ञान-विज्ञान को सबसे जरुरी कार्य बताया तो कुछ ने रणनीति और किसी ने दान-धर्म को।

सारे उत्तर अलग-अलग थे। राजा को एक भी उत्तर सही नहीं लगा। राजा ने सुना था कि पास के जंगल में वर्षों से एक साधु तप कर रहे हैं। वे केवल साधारण जनों से मिलते हैं। उनके ज्ञान की चर्चा दूर-दूर तक थी। अपने सवालों का जवाब पाने के लिए राजा ने उनसे मिलने का निश्चय किया।

● ऊपर दिये गए अनुच्छेद को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नो के उत्तर दो-

1) लोगों के अनुसार राजा के पहले प्रश्न का उत्तर केवल कौन दे सकता था?
2) राजा के दूसरे प्रश्न के उत्तर में,लोगों ने राजा के लिए किसको सबसे जरूरी बताया?
3) राजा के तीसरे प्रश्न के उत्तर में, लोगों ने सबसे जरूरी कार्य क्या बताया।
4) क्या राजा को एक भी उत्तर सही लगा?
5) राजा ने क्या सुना था?
6) राजा ने क्या निश्चय किया?

कार्यपत्रक निर्माण- प्रतिभा यादव (स·अ·),प्राथमिक विद्यालय चौरादेव

प्राथमिक विद्यालय चौरादेव
ब्लॉक-पुवॉरका,जिला-सहारनपुर

कक्षा-5 प्रेरणा लक्ष्य बोध कार्य विषय- हिन्दी

प्रकरण- पाठ-9- तीन सवाल (कार्यपत्रक 4)

दूसरे दिन राजा ने राजसी वस्त्र उतारकर साधारण कपड़े पहने। कुछ अंगरक्षकों को साथ ले लिया। घोड़े पर सवार होकर राजा जंगल की ओर चल दिया। काफी देर बाद पेड़ों के झुरमुट में उसे साधु की झोपड़ी दिखाई दी। राजा घोड़े से उतर गया। उसने अंगरक्षकों को वहीं खड़े रहने का आदेश दिया और पैदल ही साधु के पास पहुँचा। राजा ने देखा साधु बड़ी लगन से झोपड़ी के सामने की जमीन खोद रहे थे। उनका शरीर दुबला पतला था। कुदाल से खोदते समय वे जोर-जोर से साँस ले रहे थे। राजा को पास आता देखकर साधु रुक गए। उन्होंने राजा का अभिवादन किया, फिर अपने काम मे लग गए।

राजा बोला, "मैं आपके पास अपने कुछ प्रश्नों के उत्तर पाने की आशा में आया हूँ। मेरा पहला प्रश्न है, किसी काम की शुरुआत करने के लिए सही समय कौन सा है? दूसरा, मुझे किन लोगों की जरुरत सबसे ज्यादा है? मुझे किन पर ज्यादा ध्यान देना चाहिए? और तीसरा, यह कैसे पता लगे कि सबसे आवश्यक कार्य क्या है? मुझे सबसे पहले क्या करना चाहिए।

सवाल सुनकर भी साधु ने कोई जवाब नहीं दिया। वे काम मे जुटे रहे। राजा कुछ देर चुपचाप खड़ा देखता रहा। साधु कुदाल चलाते, मिट्टी हटाते और हाँफ उठते। यह देख राजा का मन पसीज उठा। वह बोला, "आप कुदाल मुझे दीजिए । कुछ देर मैं खोद दूँ।"

● ऊपर दिये गए अनुच्छेद को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नो के उत्तर दो-

1) दूसरे दिन राजा ने क्या किया?
2) राजा ने अंगरक्षकों को क्या आदेश दिया?
3) राजा ने जब देखा तब साधु क्या कर रहे थे?
4) राजा ने साधु से क्या कहा?
5) राजा की बात सुनकर साधु क्या करते रहे?
6) साधु को हाँफते देखकर राजा ने क्या किया?

कार्यपत्रक निर्माण- प्रतिभा यादव (स·अ·),प्राथमिक विद्यालय चौरादेव

प्राथमिक विद्यालय चौरादेव
ब्लॉक-पुवॉरका,जिला-सहारनपुर

कक्षा-5 प्रेरणा लक्ष्य बोध कार्य विषय- हिन्दी

प्रकरण- पाठ-9- तीन सवाल (कार्यपत्रक 5)

साधु ने चुपचाप कुदाल उसे थमा दी। खुद जमीन पर एक तरफ बैठ गए। एक घंटा बीता,दूसरा घंटा बीता। राजा खोदता रहा। सूरज पेड़ों के पीछे छिपने लगा। तब कुदाल एक तरफ रखकर राजा साधु से बोला,"मै आपके पास तीन प्रश्न लेकर आया हूँ। आपने मेरे प्रश्नों का उत्तर नहीं दिया। यदि आप मेरे एक भी प्रश्न का उत्तर नहीं जानते तो मुझे बताएँ। मै लौट जाऊँगा।" इतना सुनकर भी साधु चुप रहे। तभी किसी के दौड़कर आने की आवाज सुनाई दी। साधु ने कहा, "आओ, देखते हैं, कौन आया है?" राजा ने मुड़कर देखा। एक आदमी दौड़ता हुआ वहीं आ रहा था। वह दर्द से कराह रहा था। उसके पेट से खून बहकर पैरों पर गिर रहा था। राजा के पास आकर वह कुछ बुदबुदाया और बेहोश हो गया। राजा और साधु ने मिलकर उसे भूमि पर लिटाया। उसके कपड़े ढीले किए। उसके पेट में बहुत बड़ा घाव हो गया था। राजा ने उसका घाव धोकर पट्टी बाँधी। पर वह पट्टी खून से भीग गई। राजा ने फिर खून साफ किया और दूसरी पट्टी बाँधी। दो तीन बार पट्टियाँ बदलीं। तब कहीं खून बहना बंद हुआ। उस आदमी की चेतना लौटी तो उसने पानी माँगा। राजा ने ताजा पानी लाकर उसे पिलाया।

● ऊपर दिये गए अनुच्छेद को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नो के उत्तर दो-

1) साधु ने चुपचाप कुदाल किसे थमा दी?
2) शाम होने पर राजा ने साधु से क्या कहा?
3) किसी के दौड़कर आने की आवाज सुनकर साधु ने क्या कहा।
4) राजा ने मुड़कर क्या देखा?
5) राजा और साधु ने मिलकर क्या किया?
6) जब आदमी की चेतना लौटी तो उसने क्या माँगा?

कार्यपत्रक निर्माण- प्रतिभा यादव (स॰अ॰),प्राथमिक विद्यालय चौरादेव

प्राथमिक विद्यालय चौरादेव
ब्लॉक-पुवॉरका,जिला-सहारनपुर

कक्षा-5 प्रेरणा लक्ष्य बोध कार्य विषय- हिन्दी

प्रकरण- पाठ-9- तीन सवाल (कार्यपत्रक 6)

संध्या हो गई थी। हवा भी ठंडी हो चली थी। बाहर लेटा हुआ आदमी ठंड से काँप उठा। राजा और साधु ने मिलकर उसे झोपड़ी के भीतर सुलाया। वह आँखें बंद किए चुपचाप बिस्तर पर लेटा रहा। यह सब करते करते राजा बहुत थक गया था। देहरी पर बैठते ही वह गहरी नींद में सो गया। दूसरे दिन सुबह उसकी आँख खुली। पहले तो उसे समझ में नही आया कि वह कहाँ है? सामने लेटा हुआ बीमार आदमी कौन है? वह उसे एकटक देखता रहा।

धीमी आवाज में उस आदमी ने राजा से कहा, " मुझे माफ कर दीजिए ।" राजा पहले तो अचकचाया, फिर बोला, "मैं तुम्हे नहीं जानता। तुम मुझसे माफी क्यों माँग रहे हो?"

"आप मुझे नही जानते,मैं आपको जानता हूँ। मैं आपका शत्रु हूँ। आपने मेरे भाई को फाँसी की सजा सुनाई थी। उसकी सम्पत्ति जब्त कर ली थी। मैने तभी आपसे प्रतिशोध लेने की कसम खाई थी। मुझे मालूम हुआ आप साधु के पास अकेले आए हैं। मैंने सोचा था जब आप वापस लौटेंगे तब मैं आपकी हत्या कर दूँगा लेकिन पूरा दिन बीतने पर भी आप नहीं लौटे। जब मैं आपको खोजता हुआ इस तरफ आ रहा था आपके अंगरक्षकों ने मुझे पहचान लिया। उन्होंने मुझे मारने की कोशिश की पर मै बच गया। अगर आपने मेरी मरहम-पट्टी न की होती तो मैं मर ही गया होता। आपने मेरी जान बचाई है। अगर मै जीवित बचा और आपने चाहा तो जीवन भर आपकी सेवा करूँगा। मुझे क्षमा करें।"

● ऊपर दिये गए अनुच्छेद को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नो के उत्तर दो-

1) जब बाहर लेटा हुआ आदमी ठंड से काँपने लगा तब राजा और साधु ने क्या किया?

2) जब दूसरे दिन राजा की आँख खुली तब राजा को कैसा लगा?

3) बीमार आदमी ने धीमी आवाज मे राजा से क्या कहा?

4) घायल व्यक्ति ने होश आने पर अपने बारे मे राजा से क्या बताया?

5) उस आदमी को किसने पहचान लिया था?

कार्यपत्रक निर्माण- प्रतिभा यादव (स॰अ॰),प्राथमिक विद्यालय चौरादेव

प्राथमिक विद्यालय चौरादेव
ब्लॉक-पुवॉरका,जिला-सहारनपुर

कक्षा-5 प्रेरणा लक्ष्य बोध कार्य विषय- हिन्दी

प्रकरण- पाठ-9- तीन सवाल (कार्यपत्रक 7)

सारी बात सुनकर राजा बहुत खुश हुआ। उसने सपने मे भी नही सोचा था कि शत्रु इतनी आसानी से मित्र बन सकता है। राजा ने उसे क्षमा कर दिया। उसे विश्वास दिलाया कि लौटकर वह उसकी देखभाल का पूरा इंतजाम करेगा।
राजा झोपड़ी से बाहर आया। साधु के पास जाकर बोला, "मैं अंतिम बार आपसे अपने सवालों का हल माँग रहा हूँ।"
साधु घुटनों के बल बैठे उन क्यारियों में बीज बो रहे थे जिन्हें कल तैयार किया गया था। साधु ने सिर उठाकर राजा से कहा, "राजन, तम्हें तुम्हारे सवालों के जवाब मिल चुके हैं।"
राजा हैरान हुआ। उसने कहा, "मैं समझा नहीं।"
साधु बोला, "क्या तम्हें मालूम नहीं? तुम समझ नही सके? अगर तुम्हारे मन में मेरे लिए दया न आयी होती तो तुम चले गये होते। तुमने क्यारियाँ तैयार न की होतीं तो राह में यह आदमी तुम पर हमला करता। मेरे पास न रुकने के लिए तुम पछताते।"
"जब तुम क्यारियाँ तैयार कर रहे थे, वही सबसे सही समय था। तब सबसे महत्व का आदमी मै था। उस समय मेरा काम सबसे जरूरी था।"

● ऊपर दिये गए अनुच्छेद को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नो के उत्तर दो-

1) राजा ने अपने शत्रु के साथ क्या व्यवहार किया?
2) राजा ने साधु के पास जाकर क्या कहा?
3) साधु क्या कर रहे थे?
4) राजा हैरान क्यों हुआ?
5) राजा के प्रश्नों के उत्तर मे साधु ने क्या कहा?
6) साधु के अनुसार सबसे सही समय कब था, सबसे महत्व का आदमी कौन था और सबसे जरूरी काम क्या था?

कार्यपत्रक निर्माण- प्रतिभा यादव (स·अ·),प्राथमिक विद्यालय चौरादेव

प्राथमिक विद्यालय चौरादेव
ब्लॉक-पुवॉरका,जिला-सहारनपुर

कक्षा-5 प्रेरणा लक्ष्य बोध कार्य विषय- हिन्दी

प्रकरण- पाठ-9- तीन सवाल (कार्यपत्रक 8)

"जब वह आदमी दौड़कर हमारे पास आया और हमने उसकी मरहम पट्टी की, वही सबसे सही समय था। अगर तुम उसकी मरहम पट्टी न करते तो उसकी मृत्यु हो जाती। इसलिए उस समय वही सबसे महत्व का आदमी था। तुमने उसके लिए जो भी किया, उस समय वही तुम्हारा सबसे जरूरी कार्य था।

" याद रखना, सबसे सही समय वही होता है जब हमारे पास किसी भी तरह की शक्ति होती है। सबसे महत्व का आदमी वह होता है जिसके साथ हम होते हैं। कोई नहीं जानता कब क्या होगा। सबसे जरूरी काम है, अपने सामने संकट में पड़े आदमी की सहायता करना। हमें जीवन इसलिए मिला है कि दूसरों के काम आएँ । इसी जीवन मे सफलता है।" इतना कहकर साधु चुप हो गए। साधु का उत्तर पाकर राजा को संतोष हुआ। राजा ने आदर से उनको प्रणाम किया और उनसे विदा लेकर अपने महल की ओर चल पड़े।

- लिओ टॉलस्टॉय

● ऊपर दिये गए अनुच्छेद को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नो के उत्तर दो-

1) साधु के अनुसार सबसे सही समय कौन सा था, सबसे महत्व का आदमी कौन था और सबसे जरूरी कार्य क्या था?
2) सबसे सही समय कौन सा होता है?
3) सबसे महत्व का व्यक्ति कौन होता है?
4) सबसे जरूरी काम क्या होता है?
5) क्या साधु का उत्तर पाकर राजा को संतोष हुआ?
6) कहानी के लेखक का क्या नाम है?

कार्यपत्रक निर्माण- प्रतिभा यादव (स॰अ॰),प्राथमिक विद्यालय चौरादेव

प्राथमिक विद्यालय चौरादेव
ब्लॉक-पुवॉरका,जिला-सहारनपुर

कक्षा-5 प्रेरणा लक्ष्य बोध कार्य विषय- हिन्दी

प्रकरण- पाठ-9- तीन सवाल (कार्यपत्रक 9)

☆ शब्दार्थ:

1) यथेष्ठ = भरपूर, जितना चाहिए उतना

2) सलाहकार = सलाह या राय देने वाला

3) अंगरक्षक = सुरक्षा के लिए नियुक्त सिपाही

4) प्रतिशोध = बदला लेने की भावना से किया जाने वाला काम

5) मन पसीज उठा = मन मे दया का भाव उत्पन्न हुआ

6) रणनीति = युद्ध्नीति

☆ नीचे लिखे उपसर्गों को जोड़कर शब्द बनाइए -

1) प्रति + शोध = प्रतिशोध

2) प्रति + कूल = प्रतिकूल

3) प्रति + वाद = प्रतिवाद

4) प्रति + दिन = प्रतिदिन

5) प्रति + घात = प्रतिघात

6) अनु + चर = अनुचर

7) अनु + करण = अनुकरण

8) अनु + कूल = अनुकूल

9) अनु + वाद = अनुवाद

10) अनु + रूप = अनुरूप

कार्यपत्रक निर्माण- प्रतिभा यादव (स·अ·),प्राथमिक विद्यालय चौरादेव

प्राथमिक विद्यालय चौरादेव
ब्लॉक-पुवॉरका,जिला-सहारनपुर

कक्षा-5 प्रेरणा लक्ष्य बोध कार्य विषय- हिन्दी

प्रकरण- पाठ-9- तीन सवाल (कार्यपत्रक 10)

☆ मुहावरों का वाक्यों मे प्रयोग करो-

1) सिर पर पैर रखकर भागना - सिपाही को देखकर चोर सिर पर पैर रखकर भाग गए।

2) हाथ पैर फूलना - अचानक सामने शेर को देखकर उसके हाथ पैर फूल गए।

3) पेट में चूहे कूदना - पकवानों की महक नाक में आते ही पेट मे चूहे कूदने लगे।

4) दाँतों तले उँगली दबाना - नट को पतली रस्सी पर चलते देखकर लोगों ने दाँतों तले उँगली दबा ली।

5) घोड़े बेचकर सोना - परीक्षा समाप्ति के दिन वह घोड़े बेचकर सोया।

कार्यपत्रक निर्माण- प्रतिभा यादव (स॰अ॰),प्राथमिक विद्यालय चौरादेव

प्राथमिक विद्यालय चौरादेव
ब्लॉक-पुवॉरका,जिला-सहारनपुर

कक्षा-5 प्रेरणा लक्ष्य बोध कार्य विषय- हिन्दी

प्रकरण- पाठ-9- तीन सवाल (कार्यपत्रक 11)

● साधु की जीवन शैली पर पाँच पंक्तियाँ लिखिए।

उ॰ - 1) साधु जंगल मे एक झोपड़ी में रहते थे।

2) साधु दुबले पतले थे और साधरण वस्त्र पहनते थे।

3) साधु अपना कार्य स्वयं करते थे।

4) साधु दयालु, परोपकारी एवं विद्वान थे।

5) साधु केवल साधारण लोगों से मिलते थे।

● पेड़ पौधों के बीच एक झोपड़ी का चित्र बनाइए।

उ॰ -

कार्यपत्रक निर्माण- प्रतिभा यादव (स॰अ॰),प्राथमिक विद्यालय चौरादेव